देना बैंक
DENA BANK
(A Government of India Enterprise)
Trusted Family Bank
Dena hai to Bharosa hai.

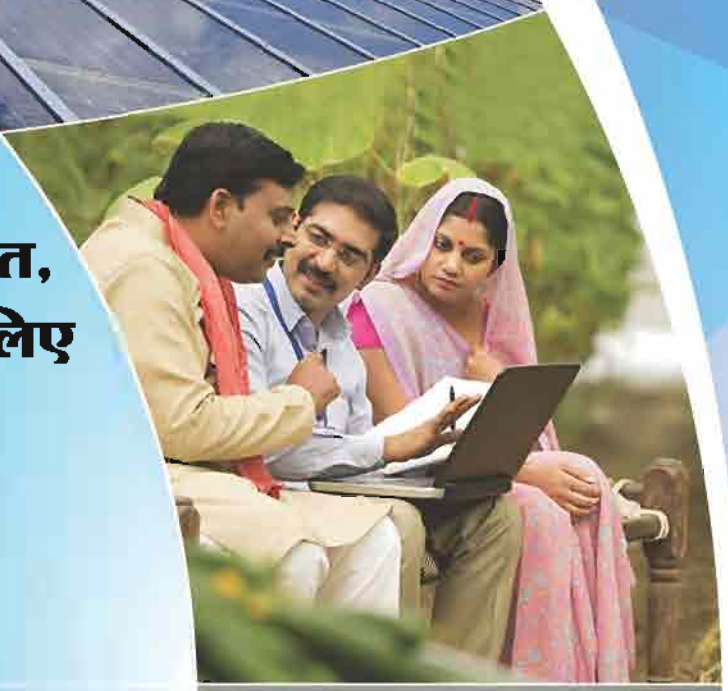

डिजिटल के लिए समर्पित, ग्राहकों की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध।

वार्षिक रिपोर्ट
2017-18

Dedicated to Digital, Committed to Customer's Convenience.

Annual Report
2017-18

स्मरणीय पल
Memorable Moments

आईबीए बैंकिंग तकनीकी पुरस्कार 2018 में लघु बैंकों के मध्य "सर्वश्रेष्ठ वित्तीय समावेशन पहल" के लिए पुरस्कार प्राप्त करते हुए श्री रमेश एस. सिंह, कार्यपालक निदेशक।

Shri Ramesh S. Singh, Executive Director receiving award for "Best Financial Inclusion Initiative" among the small banks in the IBA Banking Technical Award 2018.

27.06.2017 को एस.पी.बी.टी. कॉलेज, मुंबई में आयोजित वार्षिक सामान्य सभा में श्री अश्वनी कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्रीमती तृष्णा गुहा और श्री रमेश एस सिंह, कार्यपालक निदेशक सहित बैंक के अन्य निदेशक एवं सभी महाप्रबंधक उपस्थित थे।

Shri Ashwani Kumar, Chairman and Managing Director, Mrs. Trishna Guha and Mr. Ramesh S. Singh, Executive Directors, other Directors and all General Managers of the Bank were present in the Annual General Meeting held on 27.06.2017 at S.P.B.T. College, Mumbai.

27.03.2018 को एस.पी.बी.टी. कॉलेज, मुंबई में आयोजित बैंक की असाधारण सामान्य सभा में श्री रमेश एस. सिंह एवं डॉ. राजेश कुमार यदुवंशी, कार्यपालक निदेशक सहित बैंक के सभी महाप्रबंधक उपस्थित थे।

Mr. Ramesh S. Singh, Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi, Executive Directors and all General Managers of the Bank were present in the Extraordinary General Meeting of the Bank held on 27.03.2018 at S.P.B.T. College, Mumbai.

मुंबई में आयोजित विश्लेषक बैठक के दौरान श्री अश्वनी कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्रीमती तृष्णा गुहा और श्री रमेश एस. सिंह, कार्यपालक निदेशक, एवं श्रीमती उषा रवि, महाप्रबंधक (मुख्य वित्तीय अधिकारी) उपस्थित थे।

Shri Ashwani Kumar, Chairman and Managing Director, Mrs. Trishna Guha and, Mr. Ramesh S. Singh, Executive Directors and Mrs. Usha Ravi, General Manager (Chief Financial Officer) were present during the Analyst Meet held in Mumbai.

प्रधान कार्यालय में आयोजित सतर्कता जागृति सप्ताह के दौरान शपथ ग्रहण करते हुए श्री रमेश एस. सिंह, कार्यपालक निदेशक और डॉ. राजेश कुमार यदुवंशी, कार्यपालक निदेशक एवं श्री बी. एम. नंदा, महाप्रबंधक।

Shri Ramesh S. Singh and, Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi, Executive Directors and Mr. B. M. Nanda, General Manager swearing in during the Vigilance Awareness Week held at Head Office.

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्रीमती अंजली बंसल*
Ms. Anjali Bansal*

श्री रमेश एस सिंह
Shri Ramesh S. Singh

डॉ. राजेश कुमार यदुवंशी
Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi

श्री अशोक कुमार सिंह
Shri Ashok Kumar Singh

श्री शिरीष सी. मुरमु
Shri Shirish C. Murmu

श्री अमित चटर्जी
Shri Amit Chatterjee

श्री जी. गोपालकृष्ण
Shri G. Gopalakrishna

डॉ. यशोवर्धन वर्मा**
Dr. Yasho Verdhan Verma**

श्री राकेश कुमार
Shri Rakesh Kumar

*23.05.2018 से
*w.e.f 23.05.2018

**23.03.2018 को मंडल से सेवानिवृत्त हुए और 28.03.2018 से मंडल मे पुनःनिर्वाचित हुए.
**Retired from the Board on 23.03.2018 and was re-elected on Board w.e.f 28.03.2018.

वर्ष 2017-18 के दौरान निम्नलिखित निदेशक भी बैंक के मंडल की सेवा में थे.
During the year 2017-18, the following Directors also served on the Board of the Bank.

श्री अश्वनी कुमार (31.12.2017 तक)
Shri Ashwani Kumar (up to 31.12.2017)

श्रीमती तृष्णा गुहा (31.08.2017 तक)
Smt. Trishna Guha (up to 31.08.2017)

श्री बंकिम आर. देसाई (18.09.2017 तक)
Shri Bankim R. Desai (up to 18.09.2017)

डॉ. उमेश बेल्लूर (23.03.2018 तक)
Dr. Umesh Bellur (up to 23.03.2018)

श्री वी. चन्द्रसेकरन (23.03.2018 तक)
Shri V. Chandrasekaran (up to 23.03.2018)

महाप्रबंधक गण
General Managers

श्री बी. एम. नंदा
Shri B. M. Nanda

श्री डी. के. दुआ
Shri D. K. Dua

श्री एस. के. वाधवा
Shri S. K. Wadhwa

श्री सी. एस. मीणा
Shri C. S. Meena

श्री वी. एस. खीची
Shri V. S. Khichi

श्री एस. धर्मराजन*
Shri S. Dharmarajan*

श्री बिश्वरूप दास
Shri Bishwarup Dash

श्रीमती उषा रवि
Smt. Usha Ravi

श्री आर. के. भारद्वाज
Shri R. K. Bhardwaj

श्रीमती जया चक्रबर्ती
Smt. Jaya Chakraborty

श्री रोहित कुमार पटेल
Shri Rohit Kumar Patel

श्री मन मोहन गुप्ता
Shri Man Mohan Gupta

श्री एच. के. देव
Shri H. K. Deo

श्री संजीव डोभाल
Shri Sanjeev Dobhal

श्रीमती चित्रा कीर्तीवासन**
Smt. Chitra Kirthivasan**

(*30.04.2018 से सेवा निवृत्त)
(*Retd. on 30.04.2018)
(** 01.05.2018 से)
(** w.e.f 01.05.2018)

वर्ष 2017-18 के दौरान निम्नलिखित महाप्रबंधक भी बैंक की सेवा में थे.
During the year 2017-2018, the following General Managers also served the Bank.

श्री निर्मल जोशी (30.06.2017 तक)
Shri Nirmal Joshi (up to 30.06.2017)

श्री एम. के. भाटिया (28.02.2018 तक)
Shri M. K. Bhatia (up to 28.02.2018)

श्री एस. सरकार (31.07.2017 तक)
Shri S. Sarkar (up to 31.07.2017)

श्री सेल्वाराज के (02.03.2018 तक)
Shri Selvaraj K (up to 02.03.2018)

विषय सूची / CONTENTS

	पृष्ठ सं.		Page No.
वर्षवार तुलनात्मक कार्य-निष्पादन	2	Yearwise Comparative Performance	2
कार्यपालक निदेशक का संदेश	4	Message From Executive Director	129
निदेशकों की रिपोर्ट	7	Directors' Report	131
प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण	10	Management Discussion and Analysis	133
कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट	27	Business Responsibility Report	146
कार्पोरेट अभिशासन रिपोर्ट 2017-18	32	Corporate Governance Report 2017-18	151
निदेशको की रुपरेखा	44	Directors' Profile	162
बेसल III प्रकटीकरण	50	Basel III Disclosures	167
स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	85	Independent Auditors' Report	194
तुलन पत्र	86	Balance Sheet	195
लाभ एवं हानि लेखा	87	Profit & Loss Account	196
नकदी प्रवाह विवरण	119	Cash Flow Statement	226
सूचना	122	Notice	229
मुख्तारी (प्रॉक्सी) फार्म	125	Proxy Form	231
उपस्थिति-सह-प्रवेश पत्र	126	Attendance Slip-cum-Entry Pass	232
ई.सी.एस. अधिदेश फार्म	128	ECS Mandate Form	234

सांविधिक लेखापरीक्षक Statutory Auditors

रमेश सी. अग्रवाल एण्ड कंपनी, दिल्ली	ए.बी.पी. एण्ड एसोसिएट, भुवनेश्वर	कैलाश चंद जैन एण्ड कं., मुंबई	सारदा एण्ड पारीक, मुंबई
Ramesh C Agrawal & Co., Delhi	**ABP & Associates, Bhubaneshwar**	**Kailash Chand Jain & Co., Mumbai**	**Sarda & Pareek, Mumbai**

कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
Company Secretary & Compliance Officer
श्री अमित कुमार
Shri Amit Kumar

निवेशक संपर्क केंद्र: देना कार्पोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051.
Investor Relations Centre : Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai 400 051.

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट: लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड यूनिट : देना बैंक सी - 101, 247 पार्क, एल. बी. एस. मार्ग, विक्रोली (पश्चिम), मुंबई - 400 083, फोन : +91 22 4918 6270 ईमेल: rnt.helpdesk@linkintime.co.in

Registrars and Share Transfer Agents: Link Intime India Private Limited Unit : Dena Bank C – 101, 247 Park, LBS Marg, Vikhroli (West), Mumbai – 400 083 Tel : +91 22 4918 6270, E-mail : rnt.helpdesk@linkintime.co.in

वर्षवार तुलनात्मक कार्य–निष्पादन YEAR WISE COMPARATIVE PERFORMANCE

(रु करोड़ में) **(Rs. In crore)**

कार्य निष्पादन मानदंड	Performance Parameters	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
कारोबार माध्यम एवं संसाधन	Delivery Channels & Resources					
शाखाओ की संख्या (सी.बी.एस. सहित)	No. of Branches (with CBS)	1,633	1,739	1,846	1,874	1,872
एटीएम की संख्या	No. of ATMs	1,421	1,482	1,471	1,538	1,685
कर्मचारियो की संख्या	No. of Employees	12,983	13,632	13,906	13,985	13,613
पूंजी	Capital					
पूंजी	Capital	537.82	561.15	666.93	787.15	2,259.05
आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)	Reserves (Excluding Revaluation Reserves)	5,793	6,114	5,545	5,799	5,851
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)	Capital Adequacy Ratio (%)					
बेसल II के अनुसार	As Per Basel II	11.87	11.21	11.27	-	-
बेसल III के अनुसार	As Per Basel III	11.14	10.93	11.00	11.39	11.09
कारोबार मानदंड	Business Parameters					
कारोबार संमिश्र	Business Mix	188,650	196,565	203,242	191,481	180,369
वृद्धि % में	Increase in %	15.27	4.20	3.41	-5.79	-5.80
कुल जमाराशियां	Total Deposit	110,028	115,936	117,431	113,943	106,130
वृद्धि % में	Increase in %	13.19	5.37	1.29	-2.97	-6.86
कुल अग्रिम (सकल)	Total Advances (Gross)	78,622	80,629	85,811	77,538	74,239
वृद्धि % में	Increase in %	18.31	2.55	6.43	-9.64	-4.25
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम	Advances to Priority Sector	26,173	28,454	34,117	36,992	35,949
% के रूप मे प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	Priority Sector Advances in % terms	38.44	35.03	40.23	40.71	42.27
कृषि	Agriculture	10,800	12,312	15,912	16,375	18,179
वृद्धि % में	Increase in %	60.73	14.00	29.24	2.90	11.02
खुदरा	Retail	9,706	10,910	12,053	13,301	13,240
वृद्धि % में	Increase in %	25.67	12.41	10.48	10.35	-0.46
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम	Micro, Small and Medium Enterprises (MSME)	13,217	15,256	13,983	12,458	10,898
वृद्धि % में	Increase in %	23.84	15.42	-8.34	-10.91	-12.52
वित्तीय स्थिति	Financials :					
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	1,774.03	1,330.27	925.30	1,390.21	1,171.16
निवल लाभ / हानि (–)	Net Profit/Loss(-)	551.66	265.48	-935.32	-863.63	-1,923.15
ब्याज से आय	Interest Income	9,978	10,763	10,646	10,182	8,932
ब्याज व्यय	Interest Expenses	7,473	8,316	8,169	7,773	6,456
गैर ब्याज आय	Non Interest Income	917	721	717	1,251	1,164
कुल आय	Total Income	10,895	11,485	11,363	11,433	10,096
कुल व्यय	Total Expenses	9,121	10,155	10,437	10,043	8,925
निवल ब्याज मार्जिन (%)	Net Interest Margin (%)	2.52	2.25	2.16	2.00	2.19
जमाराशि लागत (%)	Cost of Deposit (%)	7.60	7.66	7.20	6.43	5.62

वर्षवार तुलनात्मक कार्य–निष्पादन YEAR WISE COMPARATIVE PERFORMANCE

(रु करोड़ में) **(Rs. In crore)**

कार्य निष्पादन मानदंड	Performance Parameters	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
निधि लागत (%)	'Cost of Fund (%)	7.62	7.71	7.25	6.54	5.84
अग्रिमों पर आय (%)	Yield on Advances (%)	11.29	10.89	10.05	8.98	8.00
निधियों पर आय (%)	Yield on Funds (%)	9.60	9.42	8.84	8.03	7.51
आस्तियों पर प्रतिफल	Return on Assets	0.51	0.22	-0.75	-0.67	-1.59
लाभांश (रु. में)	Dividend (in Rs)	2.20	0.90	0.00	0.00	0.00
इक्विटि पर प्रतिफल (%)	Return on Equity ((%)	9.82	4.08	-13.54	-13.50	-26.17
प्रति शेयर अर्जन (रु. में)	Earning per share (in Rs.)	14.40	4.94	-15.50	-11.89	-18.06
आस्ति गुणवत्ता अनुपात:	Asset Quality Ratios :					
सकल एन.पी.ए.	Gross NPA	2,616	4,393	8,560	12,619	16,361
सकल अग्रिमों के तुलना में सकल गैर निष्पादक आस्तियों का अनुपात %	Gross NPA to Gross Advances Ratio %	3.33	5.45	9.98	16.27	22.04
निवल एन.पी.ए.	Net NPA	1,819	3,014	5,230.47	7,735	7,839.00
निवल अग्रिमों के तुलना में निवल गैर निष्पादक आस्तियों का अनुपात %	NPA to Net Advances Ratio%	2.35	3.82	6.35	10.66	11.95
एन.पी.ए. प्रावधान कवरेज (%)	NPA Provision Coverage (%)	56.44	52.97	52.79	50.56	60.20
उत्पादकता अनुपात:	Productivity Ratios :					
प्रति कर्मचारी कारोबार	Per Employees Business	14.53	14.42	14.62	13.69	13.25
प्रति शाखा कारोबार	Per Branch Business	121.40	118.13	114.57	102.18	100.20

कार्यपालक निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरधारकों,

वर्ष 2017-18 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है.

वर्ष के दौरान:

बैंक ने अक्तूबर, 2017 माह में बाजार से अर्हताप्राप्त संस्थानों के स्थापन (क्यू.आई.पी.) के अंतर्गत इक्विटी शेयरों को निर्गम करके रू. 401.26 करोड़ जुटाए.

भारत सरकार ने रुपये 3045 करोड़ की पूंजी के रूप में निवेश किया है. निवेश की गई पूंजी से 11.09% की पूंजी पर्याप्तता अनुपात को बनाए रखने में आपके बैंक को सहायता मिली है.

इसके अतिरिक्त, बैंक ने अपने उधारों को रू 125 करोड़ के टीयर I आई.पी.डी.आई. बॉन्डों के मोचन द्वारा और रू 1400 करोड़ बेसल III अनुपालन अतिरिक्त टीयर I बॉन्ड को क्रय विकल्प का प्रयोग करके चुकाया है.

इस वर्ष, आईबीए बैंकिंग तकनीकी पुरस्कार 2018 में लघु बैंकों के बीच, आपके बैंक को सर्वश्रेष्ठ वित्तीय समावेशन पहल की श्रेणी में विजेता के रूप में निर्णय दिया गया था. हमारे देश में वित्तीय समावेशन की प्रगति के लिए आपके बैंक द्वारा निरंतर किए गए प्रयासों हेतु मिली एक पहचान से हमें खुशी हो रही है.

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए बैंक के अन्य कार्यनिष्पादन की प्रमुख विशेषताओं के बारे में आपको सूचित करने से पूर्व, मैं आपको आर्थिक परिस्थितियों, वैश्विक और भारतीय दोनों परिस्थितियों, भारतीय बैंकिंग उद्योग में नई प्रवृत्तियों, इसकी चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की रूपरेखा के बारे में जिसमें आपका बैंक कार्य कर रहा है के संबंध में संक्षेप में उल्लेख करता हूँ.

आर्थिक अवलोकन

2016 के मध्य से वैश्विक अर्थव्यवस्था में वसूली व्यापक और सुदृढ़ हुई है. विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व की अर्थव्यवस्था में 3.8% वृद्धि 2011 के पश्चात से सबसे तीव्रतर थी. विकसित वैश्विक निवेश और व्यापार के पूर्व, 2018 और 2019 में 3.9% वृद्धि तक पहुंचना अपेक्षित है. विकास की गति की भविष्य में उज्ज्वल संभावनाएं हैं क्योंकि सभी देशों में संरचनात्मक सुधारों और राजकोषीय नीतियों के लिए अवसर विद्यमान हैं जो उत्पादकता को बढ़ाती और समावेशी वृद्धि करती है.

भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2017-18 में, भारतीय अर्थव्यवस्था ने वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.) लागू कर एक मील का पत्थर स्थापित किया है. वस्तु एवं सेवा कर ने अर्थव्यवस्था के कर आधार और कर भुगतान संस्कृति क्षेत्र की वृद्धि में सहायता की है. एक और उपलब्धि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम है. इसने न केवल हमारे देश को नकदी रहित निर्भर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर होने बल्कि गरीबों को सामाजिक लाभों को अधिक प्रभावी ढंग से पहुचाने में सहायता की है.

2017 में घोषित सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों के लिए पुन:पूंजीकरण योजना ने पूंजी बफर को फिर से सहायता की और विकास को समर्थन देने हेतु बैंकिंग क्षेत्र की क्षमता में सुधार किया. तथापि, बैंकों में एन.पी.ए. और धोखाधड़ी के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए मजबूत तंत्र बनाने की आवश्यकता है.

दिवाला और दिवालियापन संहिता के कार्यान्वयन से सभी हितधारकों को बहुत उम्मीद हैं और यह अपेक्षा की जाती है कि बैंकिंग क्षेत्र को समय-बद्ध ऋण वसूली तंत्र में सहायता करेगा और कॉर्पोरेट एन.पी.ए. को कम करेगा, जिसका कई बैंकों को सामना करना पड़ रहा हैं.

अर्थव्यवस्था के समष्टि मूलभूत सिद्धांत, मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान कम उत्पादन और कम मुद्रास्फीति स्तर सहित विकास की मिश्रित छवि प्रदर्शित की है.

पिछले कुछ वर्षों के दौरान आर्थिक सुधारों की यात्रा चुनौतीपूर्ण रही है परंतु साथ ही प्रतिफल देने वाली भी रही है. सरकार द्वारा किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश बढ़ गया है. सरकार द्वारा किए गए उपायों ने भारत में कारोबार करना अधिक सरल बना दिया है. प्राकृतिक संसाधन अब पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से आवंटित किए जाते हैं.

बैंकिंग उद्योग की प्रवृत्तियां

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, बैंकों ने सतत विकास के लिए नई रणनीतियों को लक्षित करते हुए, नियमों, विरासती प्रणाली, विघटनकारी मॉडल, प्रौद्योगिकियों, नए प्रतियोगियों, और एक सतत ग्राहक आधार में रहकर कई चुनौतियों का सामना किया है. बैंकों के तुलनपत्र एनपीए के स्तर में वृद्धि के प्रावधान के साथ दबावग्रस्त हैं जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतर लाभप्रदता है.

तथापि, बैंकिंग उद्योग नियामक उपायों जैसे पुन:पूंजीकरण बॉन्ड निर्गम करना, संशोधित एनपीए रूपरेखा और भारत सरकार द्वारा दिवाला और दिवालियापन संहिता के कार्यान्वयन जैसी विभिन्न कठिन चुनौतियों का सामना कर रहा है और भारतीय रिज़र्व बैंक को इस दबावपूर्ण परिदृश्य से उद्योग के बाहर आने का अपेक्षा है.

बैंकिंग उद्योग में केवल निरंतर ग्राहक केंद्रितता, विनियामक पुनः जांच, प्रौद्योगिकी प्रबंधन और अंगीकरण, साइबर जोखिम कम करने और नए वातावरण के अनुरूप हमारे कार्यबल को पुनर्गठित करने के माध्यम से ही दीर्घकालिक सतत विकास की अपेक्षा की जाती है.

बैंक का निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान आपके बैंक के निष्पादन की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान, आपके बैंक ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, कृषि, गैर-कॉर्पोरेट किसानों, छोटे और सीमांत किसानों, कमजोर वर्ग और सूक्ष्म उद्यमों के अंतर्गत दिए गए सभी विनियामक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है.
- बैंक ने उच्च लागत वाले जमाराशियों को न लेने पर अपना रुख जारी रखा और तदनुसार कुल जमा अनुपात का कासा % मार्च 2017 में 37.93% से बढ़कर मार्च 2018 में 40.03% हो गया.
- बैंक के जमा सीडी अनुपात में ऋण मार्च, 2017 में 68.05% से बढ़कर मार्च, 2018 में 69.95% हो गया.
- कृषि अग्रिम 31 मार्च, 2017 के रू. 16,375 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2018 को रू. 18,179 करोड़ हो गया, विनियामक लक्ष्य 18% को पार करके 11.02% की वृद्धि दर्ज की और समायोजित नेट बैंक क्रेडिट (एएनबीसी) का 21.38% रहा.
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम मार्च, 2018 को 40% के विनियामक बेंचमार्क को पार करके रु. 35, 949 करोड़ रहा जो समायोजित नेट बैंक क्रेडिट (एएनबीसी) का 42.27% है.
- बैंक की निवल ब्याज आय मार्च, 2017 की रू. 2,408.36 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2018 में रू. 2,475.82 करोड़ हो गई और इसी अवधि के लिए निवल ब्याज मार्जिन 2.00% से 2.19% तक की वृद्धि हुई.
- बैंक की जमा राशि की लागत वित्त वर्ष 2016-17 में 6.43% से घटकर वित्त वर्ष 2017-18 में 5.62% हो गई.

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, बैंक ने पिछले वर्ष के दौरान हुई 1,119.87 करोड़ की नकद वसूली की तुलना में रु. 931.24 करोड़ की वसूली की.

आपके बैंक ने बट्टे खातों में पिछले वर्ष के दौरान रू. 120.08 करोड़ के समक्ष रू 146.60 करोड़ वसूल किए.

31 मार्च, 2018 को, सकल एनपीए पिछले वर्ष के दौरान रू. 12,618.73 करोड़ के समक्ष रू. 16,361.44 करोड़ रहा. सकल एनपीए प्रतिशत पिछले वर्ष 16.27% की तुलना में 22.04% है.

31 मार्च, 2018 को निवल एनपीए पिछले वर्ष के दौरान रू 7,735.12 करोड़ के समक्ष रू 7,838.78 करोड़ रहा. निवल एनपीए प्रतिशत पिछले वर्ष के दौरान 10.66% की तुलना में 11.95% है.

पूंजी पर्याप्तता मानदंड

बेसल III मानदंडों के अंतर्गत जोखिम (भारित) आस्ति अनुपात (सीआरएआर) को पूंजी 31 मार्च 2017 को 10.875% की विनियामक आवश्यकता के समक्ष 11.39% से कम होकर 31 मार्च 2018 को 11.09% हो गई.

इसी प्रकार, बैंक की सीईटी 1 पूंजी अनुपात 7.375% विनियामक आवश्यकता के समक्ष 31 मार्च 2017 को 7.24% के समक्ष 31 मार्च 2018 को 8.81% हो गई.

शाखा विस्तार

परिचालनगत व्यय और दक्षता में सुधार के दृष्टिगत, बैंक ने शाखा खोलने पर एक सजग उपाय किया गया है और वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान कोई भी नई शाखा नहीं खोली गई. बैंक ने शाखा को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया भी आरंभ की है. तद-नुसार बैंक के निदेशक मंडल ने 17 शाखाओं को अन्य शाखाओं के साथ विलय को अनुमादित कर दिया है, जिनमें से 2 शाखाएं वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान विलय कर दी गई थीं. 31 मार्च, 2018 को (72 सैटेलाईट शाखाओं सहित) आपके बैंक की 1,872 शाखाएं हैं.

मानव संसाधन विकास

वर्ष 2017-18 के दौरान, बैंक ने 21 परिवीक्षाधीन अधिकारी, 13 विशेषज्ञ अधिकारी, 128 लिपिक और 148 अधीनस्थ कर्मचारियों की भर्ती की है. वर्तमान में बैंक में मानव पूंजी 13,613 हैं जिसमें से 3,705 महिलाएं हैं.

डिजिटल पहल

आपके बैंक ने ग्राहकों के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के लिए निर्बाध और सुविधा समाधान प्रदान करने के लिए विभिन्न डिजिटल पहल आरंभ की हैं. सफलतापूर्वक कार्यान्वित किए गए. कुछ डिजिटल पहल इस प्रकार है:-

- 29 गांवों का डिजिटाइजेशन
- बैंक ने नए मोबाइल बैंकिंग अनुप्रयोग का शुभारंभ किया है.
- नए इंटरनेट बैंकिंग अनुप्रयोग का शुभारंभ किया है.
- एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) अनुप्रयोग का शुभारंभ
- भीम आधारित पे अनुप्रयोग शुरू किया गया और 12,796 भीम आधार व्यापारियों को प्रदान किए गए.
- जारीकर्ता के लिए भारत क्यूआर कोड (यूपीआई आधारित भुगतान) और अधिग्रहणकर्ता (पीओएस आधारित भुगतान) सेवा में हैं.
- ग्राहक के लिए वस्तु एवं सेवा कर भुगतान मॉड्यूल का सफल संचालन
- 7,565 पीओएस टर्मिनलों का नियोजन किया गया हैं जिसमें से 302 पीओएस टर्मिनलों को टीयर 5 और 6 केंद्रों में नियोजित किया गया है.

बीपीआर पहल

बैंक ने रूपांतरण योजना - देना प्रगति के लिए बीसीजी के साथ साझेदारी की है और आपके बैंक ने नए उत्पादों का शुभारंभ किया है और नई प्रणाली और प्रक्रियाओं की स्थापना की है.

I. बैंक ने केंद्रीकृत खाता खोलने के लिए एक नया कासा बैक-ऑफिस खोला है.

II. अखिल भारतीय स्तर पर लीड का प्रसंस्करण करने के लिए लीड प्रबंधन प्रणाली 'देना सम्पर्क' आरंभ की है.

III. आईवीआर आधारित कॉल सेंटर: प्रति माह लगभग औसत 50000 इनबाउंड कॉल प्राप्त किए जाते हैं.

IV. आशोधित प्रक्रिया प्रवाह और खुदरा ऋण प्रसंस्करण के लिए लैंड परफेक्ट सॉफ्टवेयर के विशेष उपयोग के साथ विद्यमान खुदरा आस्ति प्रसंस्करण केंद्र पुनर्गठित था.

V. ठाणे अंचल में पायलट के रूप में 29 शाखाओं के लिए एमएसएमई हब लॉन्च किया गया.

VI. डिजिटल चैनलों में पंजीकरण को बढ़ाने के लिए सभी शाखाओं में डिजिटल पाठशाला का आयोजन किया गया था

अन्य पहलें

1. उपभोक्ता ऋण खंड में वाहन ऋण सोर्सिंग के लिए डीलर पेआउट योजना.

2. आवास ऋण प्रस्तावों की सोर्सिंग के लिए आवास ऋण सलाहकारों को सूचीबद्ध करना.

3. छोटे उधारकर्ताओं के लिए नई एक मुश्त भुगतान योजना- देना ऋण मुक्ति योजना कृषि और एमएसएमई सहित सभी क्षेत्रों को कवर करती है.

4. अपने ग्राहकों को बेहतर उत्पाद प्रदान करने के लिए, आपके बैंक ने विभिन्न गठजोड़ व्यवस्था की हैं जैसे कि:

क. यात्री कार वित्त व्यवस्था के लिए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के साथ गठजोड़ व्यवस्था

ख. एमएसएमई ऋण लीड की सोर्सिंग के लिए एसएमईआरए रेटिंग लिमिटेड के साथ गठजोड़ व्यवस्था

ग. एमएसएमई ऋण देने में सुधार के लिए, बैंक ने रिसीवबल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (आरएक्सआईएल) के साथ ट्रेड रिसीवबल डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) कारोबार के लिए उनके ऑनलाइन प्लेटफार्म पर पंजीकरण किया है

घ. ईडब्ल्यूएस/एलआईजी/एमआईजी और ग्रामीण आवास ब्याज सब्सिडी योजना (आर.एचआईएसएस) के हिताधिकारीयों के लिए प्रधान मंत्री आवास योजना - क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (पीएमए-सीएलएसएस) के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ गठजोड़ व्यवस्था

समावेशित संवृद्धि

आर्थिक संवृद्धि के लाभों का लाभ उठाने के लिए, हमें इसे समावेशित बनाने की आवश्यकता है. अपने आप के लिए मूल्यवान होने के अतिरिक्त, समावेशी विकास आर्थिक विकास को आगे बढ़ाता है. जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, आपके बैंक ने इस क्षेत्र में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अपनी पहलों के लिए पहचान प्राप्त की है.

आपके बैंक ने 18.50 लाख खातों के लक्ष्य के समक्ष प्रधान मंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत 44.06 लाख खाते खोले हैं और 26.52 लाख रुपे कार्ड जारी किए हैं.

आपके बैंक ने वित्तीय समावेशन के तहत आवंटित सभी 6,485 गांवों को कवर किया है, जिनमें से 746 गांव पारंपरिक शाखाओं के माध्यम से कवर किए गए हैं और 5,739 गांव कारोबार प्रतिनिधि मॉडल के माध्यम से कवर किए गए हैं. आपके बैंक ने 31 मार्च 2018 तक आधार के लिए 10.60 करोड़ निवासियों को नामांकित किया है और यू.आई.डी.ए.आई. को गैर-राज्य रजिस्ट्रारों के बीच शीर्ष स्थान प्राप्त किया है.

भावी योजनाएं

वर्ष 2018-19 के लिए, एनपीए में कमी करना बैंक के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता रहेगी. इस वर्ष आपका बैंक एन.सी.एल.टी. के संदर्भित कॉर्पोरेट एनपीए मामलों के समाधान से बड़ी वसूली की भी अपेक्षा करता है. इसके अतिरिक्त, बैंक खुदरा एनपीए के स्तर को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा और सभी प्रयास किए जाएंगे और विशेष रूप से बट्टे खातों में अधिक वसूली में ध्यान केंद्रित करेगा.

आपके बैंक ने प्रभावी वसूली प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वसूली के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से एक नया दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल निर्मित किया है.

बैंक कासा, खुदरा, एमएसएमई और कृषि अग्रिमों पर अपना ध्यान जारी रखेगा.

बैंक ने बीपीआर रूपांतरण परियोजना के माध्यम से विभिन्न नई प्रक्रियाओं और प्रणाली आशोधनों की शुरुआत की है, जिसमें इस वित्तीय वर्ष के दौरान इन रूपांतरण परियोजनाओं के वास्तविक लाभ अपेक्षित होंगे.

आभार

अंत में, मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड, बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण और अन्य सभी हितधारकों को उनके बहुमूल्य संरक्षण, मार्गदर्शन, समर्थन के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हूं और समयोचित सलाह और उनके निरंतर समर्थन और सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

वित्तीय वर्ष 2017-18 की चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान अपने मूल्यवान संरक्षण और समर्थन के लिए सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों को भी मैं धन्यवाद देता हूं और उनके निरंतर संरक्षण प्राप्त करने की अपेक्षा करता हूं.

बैंक का मंडल इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान बैंक का लगातार मार्गदर्शन कर रहा है और मैं उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन की सराहना करता हूं.

मैं बैंक को दिए जा रहे समर्थन के लिए नाबार्ड, सिडबी और अन्य वित्तीय संस्थानों, बैंकों और प्रतिनिधियों का भी आभारी हूं.

अंत में, बैंक के सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा किए गए अथक और अनवरत प्रयासों की सराहना करता हूं, जिनके सहयोग के बिना इस चुनौतीपूर्ण समय में हासिल की गई प्रगति संभव नहीं हो सकती थी. संस्थान को दिए जा रहे निरंतर समर्थन के लिए स्टाफ के परिवार सदस्यों के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं.

मैं आगामी वर्षों में बैंक की निरंतर प्रगति के लिए सभी हितधारकों के निरंतर सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

(रमेश एस. सिंह)